प्रदेश के निर्यात को रफ्तार देगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा में 21-25 सितंबर को होने जा रहा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश के निर्यात को गति देगा। इतना ही नहीं, इस शो के जरिए यूरोप की मंदी के असर को भी बेअसर किया जाएगा।

ट्रेड शो में लेदर, आईटी, इलेक्ट्रानिक्स, मोबाइल उपकरण के अलावा एक जिला एक उत्पाद, जीआई टैग उत्पाद, हथकरघा, पर्यटन, होटल और स्वास्थ्य सेक्टर भी हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ, चर्म निर्यात परिषद, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन का मानना है कि इस शो के जरिए नए बाजार मिलेंगे, जो पारंपरिक आयातक यूरोप की मंदी की भरपाई में सहायक होंगे।

ट्रेड शो से पहले नई दिल्ली में शुक्रवार से पांच दिनी रोड शो का आयोजन होगा।

यूपी से मार्च में हुआ 15 हजार करोड़ का निर्यात

कानपुर-उन्नाव लेदर क्लस्टर से 500 करोड़ घटा निर्यात

आयोजक एमएसएमई व निर्यात विभाग और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लि. हैं। इस आयोजन में निर्यातकों को कम से कम दस नए बाजार मिलने की उम्मीद है।

फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन (फियो) के मुताबिक अप्रैल 2022 से फरवरी 2023 तक यूपी से 1.59 लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था। मार्च तक ये बढ़कर 1.74 लाख करोड़ का हो गया। मार्च में करीब 15 हजार करोड़ रुपये के उत्पाद का निर्यात हुआ लेकिन कानपुर-उन्नाव लेदर क्लस्टर से निर्यात 9,500 करोड़ से घटकर 9,000 करोड़ रह गया। इसकी मुख्य वजह रूस-यूक्रेन जंग का असर है।

यूरोप की मंदी का सामना करने में यूपी में पहली बार होने जा रहा इंटरनेशनल ट्रेड शो मील का पत्थर साबित होगा। इस शो से प्रदेश व निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रांडिंग का अवसर मिलेगा। निर्यात में 15 से 20 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है। -आरके जालान, वाइस चेयरमैन, चर्म निर्यात परिषद